जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालय

मदाऊ, भांकरोटा, जयपुर–302026 (राजस्थान)

सामान्य दिशा निर्देशिका

प्री–शास्त्री–शिक्षाशास्त्री (पी.एस.एस.एस.टी.) परीक्षा–2021

संरक्षक

डॉ. अनुला मौर्य

कुलपति

समन्वयक

सुरेन्द्र सिंह यादव

कुलसचिव

सह–समन्वयक
डॉ. कुलदीप सिंह
सहायक आचार्य

डॉ. माताप्रसाद शर्मा
संकायाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र
जरारासंविवि, जयपुर

सह–समन्वयक
डॉ0 जे. एन. विजय
सहायक कुलसचिव

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
ग्राम–मदाऊ, पोस्ट–भांकरोटा, जयपुर–302026 (राजस्थान)

हेल्पलाईन नम्बर :–8005723429

इन्टरनेट वैबसाईट
www.jrrsanskrituniversity.ac.in

चार वर्षीय शास्त्री–शिक्षाशास्त्री एकीकृत पाठ्यक्रम
पीएसएसएसटी–2021
महत्वपूर्ण निर्देश

1. **पात्रता:** वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी (10+2) (संस्कृत विषय सहित)/समकक्ष परीक्षा उर्त्तीण

2. प्रवेश परीक्षा (पीएसएसएसटी 2021) शुल्क 500/– रुपये

(निर्धारित न्यूनतम प्राप्तांक अर्हता के साथ)

3. **फोन परामर्श**
   (i) **हैल्पलाईन न.** 8005723429
   (ii) हेल्पडेस्क ईमेल helpdeskpssstonline@gmail.com
   (iii) संबंधित वेबसाईट **www.jrrsanskrituniversity.ac.in**

4. पीएसएसएसटी परीक्षा –2021 के आयोजन की तिथि

पी.एस.एस.एस.टी 2021 में प्रवेश हेतु मार्गदर्शन :–

1. प्रतियोगी परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यबिन्दु एवं अंकयोजना की रूपरेखा निम्नानुसार है–
   (i) पी.एस.एस.एस.टी 2021 द्वारा आयोजित प्रवेश पूर्व परीक्षा में एक प्रश्न पत्र होगा, इसके चार भाग होंगे।
   (ii) प्रश्न की भाषा संस्कृत होगी तथा प्रश्न वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्ड्री (10+2) के स्तर के होंगे।
   (iii) सम्पूर्ण प्रश्न पत्र 200 अंकों का होगा।
   (iv) प्रश्न पत्र की अवधि 03 घण्टे की होगी। प्रश्न पत्र में कुल 200 प्रश्न होंगे तथा इनकी जांच में **नकारात्मक अंक पद्धति (Negative Marking Method)** नहीं अपनायी जावेगी।
   (v) प्रश्न पत्र में सभी प्रश्न बहुविकल्पी न्यूनतम चार उत्तरों सहित वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होंगे। (उदाहरणार्थ देखें संलग्न आदर्श प्रश्न पत्र)

2. पाठ्य बिन्दु:– (i) **संस्कृत भाषा एवं साहित्य – 80 अंक**
   क. **भाषा योग्यता – 40 अंक** विषय क्षेत्र – वर्ण भेद (स्वर, व्यंजन), उच्चारण स्थान, **शब्द रूप**– (देव, राम, छात्र मुनि, कवि, गिरि, साधु, गुरु, भानु, भातृ, पितृ, कर्तृ, लता, बाला, कक्षा, मति, रात्रि, रुचि, नदी, श्रीमती, पत्नी, ज्ञान, मित्र, गृह, वारि, दधि, अस्थि, मधु, अश्रु, वस्तु, अस्मद्, युष्मद्, इदम्, तत्, किम् एवं यत् शब्द रूपों का तीनों लिंगों में ज्ञान।) **धातु रूप**– (पठ्, गम्, नम्, चल्, खाद्, दृशिर, जि, अस्, भू, पा, हन्, जिघ्र, पत्, स्म्, हस्, रक्ष्, पच्, स्था, कुध, श्रु, वद्, इष्, आप्, लिख्, प्रच्छ, कृ, सेव्, मुद्, चुर, लभ्, याच् तथा हृ धातुओं के पाँच लकारों – लट्, लङ्, लृट् लोट एवं विधिलिंग का ज्ञान।) **सन्धि**–(दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि, पूर्वरूप,

पररूप, प्रकृतिभाव, श्चुत्व, ष्टुत्व, जशत्व, चर्त्व, अनुस्वार, अनुस्वारपरसवर्ण, छत्व, सत्व, रुत्व, उत्व एवं विसर्ग सन्धियों से संबंधित सन्धि कार्य एवं सन्धि विच्छेद का ज्ञान।) **समास** –अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्विगु, कर्मधारय, द्वन्द्व तथा बहुब्रीहि समासों से संबंधित सामासिक विग्रह करने एवं समस्त पद बनाने का ज्ञान) **कारक**– कारक विभक्तियों एवं उपपद विभक्तियों के प्रयोगात्मक ज्ञान, **प्रत्यय**–(शतृ, शनच, क्त, क्तवतु, तव्यत, अनीयर, तुमुन, क्त्वा, ल्यप्, क्तिन्, मतुप्, इन् ठक्, ठञ्, त्व, तल, टाप्, ङीप् तथा ङीष प्रत्ययों का ज्ञान) **उपसर्ग,संख्यावाची शब्द, लिंग** एवं **वचनों** का ज्ञान।

ख. संस्कृत साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान — 40 अंक (विषय क्षेत्र– वैदिक साहित्य, लौकिक साहित्य, वेदांग, आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों तथा राजस्थानीय अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान)

(ii) **सामान्य ज्ञान–40 अंक** (विषय क्षेत्र–भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक स्थान, भूगोल, पर्यावरण, पुरस्कार, खेलकूद, विशिष्ट दिवस, समसामयिक घटनाएँ तथा राजस्थान राज्य से संबंधित सामान्य ज्ञान)

(iii) **मानसिक योग्यता–40 अंक** (विषय क्षेत्र– दो वस्तुओं की आंशिक समानता या समरूपता तथा विभेदीकरण, संबंध–मानवीय संबंध, कार्य–कारण संबंध, आधार आधेय संबंध, विश्लेषण, तार्किक चिन्तन, तार्किक योग्यता तथा दर्पण में समय का अभिप्राय)

(iv) **शिक्षण अभिरुचि–40 अंक** (विषय क्षेत्र–शिक्षण –अधिगम, नेतृत्व गुण, सृजनात्मकता, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन, संप्रेषण कौशल, व्यावसायिक अभिवृत्ति, सामाजिक संवेदनशीलता तथा शिक्षक की भूमिका)

सत्र 2021–22 में चार वर्षीय शास्त्री शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश देने हेतु प्री–शास्त्री शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा 2021' को आयोजित करने के लिए राजस्थान सरकार शिक्षा (ग्रुप–6) विभाग के आदेश क्रमांक प18(1)शिक्षा–6/2016, जयपुर दिनांक 11.02.2021 के अनुसार जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर को अधिकृत किया गया है।

प्री–शास्त्री–शिक्षाशास्त्री टेस्ट–2021 (PSSST-2021)
: : प्रवेश नियम : :

1. राजस्थान के सभी शास्त्री–शिक्षाशास्त्री महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु प्री शास्त्री–शिक्षाशास्त्री टैस्ट (पी.एस.एस.एस.टी.) आयोजित होगा। इस प्रतियोगी परीक्षा हेतु जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर, राजस्थान से वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी (10+2) परीक्षा (संस्कृत विषय सहित) में अथवा समकक्ष परीक्षा जो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर राजस्थान के वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी (10+2) संस्कृत विषय सहित परीक्षा के समतुल्य हो और इस परीक्षा में सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी न्यूनतम 50 प्रतिशत तथा राजस्थान के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, विशेष पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग, विधवा एवं तलाकशुदा महिला अभ्यर्थी न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक (राज्य सरकार के नियमानुसार) प्राप्त किये हों तथा प्रवेश की अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करते हों। पीएसएसएसटी 2021 के माध्यम से शास्त्री–शिक्षाशास्त्री चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन करने के योग्य हैं।
2. अर्हक परीक्षा–वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी (10+2) (संस्कृत विषय सहित) या समकक्ष परीक्षाओं के अन्तिम वर्ष में 2021 में बैठने वाले विद्यार्थी भी प्री–पीएसएसएसटी 2021 के माध्यम से चार वर्षीय शास्त्री–शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं तथा पीएसएसएसटी परीक्षा 2021 में बैठ सकते हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि एसे अभ्यर्थी से महाविद्यालय में रिपोर्टिंग के समय किसी प्रकार का प्रोविजनल प्रमाण पत्र अथवा समाचार पत्र में घोषित परिणाम या इंटरनेट से जारी अंक तालिका आदि स्वीकार नहीं किये जायेंगे। पीएसएसएसटी की अर्हक परीक्षा वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी (10+2) (संस्कृत विषय सहित) या समकक्ष परीक्षा में प्रविष्ठ अभ्यर्थियों को काउन्सलिंग के समय अर्हक परीक्षा की मूल अंकतालिका अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी।
3. **विश्वविद्यालय से संबंद्धित महाविद्यालयों में कुल उपलब्ध सीटों की अपेक्षा आवेदन पत्रों की संख्या कम/समान होने पर पात्रता परीक्षा का आयोजन नहीं किया जावेगा। ऐसी स्थिति में शिक्षाशास्त्री महाविद्यालय में प्रवेश हेतु काउन्सलिंग में पात्रता का आधार अर्हक परीक्षा के प्राप्तांक का प्रतिशत होगा। यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का प्रतिशत समान होता है तो वरीयता का निर्धारण जन्म दिनांक के आधार पर (Older First) किया जावेगा।**
4. पीएसएसएसटी में प्राप्त अंकों के आधार पर सफल अभ्यर्थियों की एक योग्यता सूची बनाई जायेगी।
5. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु राजस्थान राज्य के मूल निवासी पात्र होंगे परन्तु प्रवेश क्षमता की कुल सीटों में 30 प्रतिशत सीटें राजस्थान राज्य के बाहर के अभ्यर्थियों द्वारा भरी जा सकती है बशर्ते है कि अन्य राज्य के अभ्यर्थियों की मैरिट का कट ऑफ राजस्थान राज्य के सामान्य